सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 46 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 18 मार्च, 2024
मूल्य ₹ 3/-

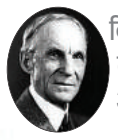

विफलता बस फिर से शुरू करने का अवसर है, इस बार और अधिक समझदारी से।
-हेनरी फोर्ड

आरसीबी की लड़कियां बनीं... 7 | जनता की चौखट पर मत्था टेकेंगे... 3 | राहुल जैसी यात्रा कोई नहीं निकाल... 2

मुंबई रैली से बीजेपी घबराई 'शक्ति' पर सियासत गरमाई

पूरे विपक्ष ने मोदी सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

» लोस चुनावों की तारीखों के ऐलान के बाद आने लगे बेतुके बयान
» राहुल की टिप्पणी पर मोदी का पलटवार, कहा- मुझे चुनौती स्वीकार
» भाजपा ने कांग्रेस पर किया जोरदार हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावों की तारीख घोषित हो चुकी है। अब सियासी दलों का एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप को दौर भी शुरू हो गया है। बीजेपी के नेता नरेंद्र मोदी से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी रैलियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में मुंबई में इंडिया गठंबधन की विशाल रैली आयोजित हुई। इस सभा में विपक्षी गठबंधन के लगभग सभी सहयोगी जुटे।

इसमें आम जनता ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी व बीजेपी पर जमकर हमला किया। राहुल गांधी ने शिवाजी पार्क में एक रैली में की गई अपनी टिप्पणियों में, राज्य की ताकत के खिलाफ विपक्ष के संघर्ष पर जोर देने के लिए हिंदी शब्द शक्ति का इस्तेमाल करते हुए ईवीएम के संचालन पर चिंता जताई थी। इसी शब्द को पकड़ कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार (18 मार्च) को तेलंगाना के जगतियाल में एक चुनावी रैली को संबोधित किया, राहुल गांधी को चुनौती दी कि वह उनसे हर बहस करने को तैयार हैं।

इंडी गठबंधन की चुनौती स्वीकार : मोदी

नरेंद्र मोदी ने सोमवार (18 मार्च) को तेलंगाना के जगतियाल में कहा कि तेलंगाना में बीजेपी की लहर दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा, तेलंगाना में बीजेपी के लिए समर्थन बढ़ रहा है। जैसे-जैसे 13 मई करीब आ रही है, तेलंगाना में बीजेपी की लहर कांग्रेस और बीआरएस पर भारी पड़ रही है। प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी की शक्ति टिप्पणी पर उन पर पलटवार किया और कहा, भारत गठबंधन ने कहा है कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। मेरे लिए, हर मां शक्ति का रूप है। मैं आपको शक्ति के रूप में प्रार्थना करता हूं। मैं एक उपासक हूं। भारत माता की। मैं इस शक्ति को समाप्त करने की घोषणा करने वाले इंडी गठबंधन की चुनौती स्वीकार करता हूं।

राहुल ने शिवाजी व बाला साहब ठाकरे को दी पुष्पांजलि

कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर, राहुल गांधी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के स्मारक पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस स्थल पर कांग्रेस की पिछली रैली 2003 में आयोजित की गई थी जिसे सोनिया गांधी ने संबोधित किया था।

शिवाजी पार्क में रैली शिवसेना के लिए एक 'काला दिन': शिंदे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कि मुंबई के शिवाजी पार्क में जहां बालासाहेब ठाकरे अक्सर देश को संबोधित करते थे उस स्थान पर विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की रैली लेना शिवसेना के लिए एक 'काला दिन' है। शिंदे ने कहा, "यह शिवसेना के लिए एक काला दिन है, क्योंकि शिवाजी पार्क वह स्थान है जहां से बालासाहेब ने देश को संबोधित किया था और आज आप (उद्धव) राहुल गांधी के साथ मंच साझा कर रहे हैं जिन्होंने सावरकर का अपमान किया।

ईडी के सामने पेश नहीं होंगे केजरीवाल

» प्रवर्तन निदेशालय का समन गैर कानूनी : सीएम
» भाजपा ईडी के पीछे छुपकर चुनाव लड़ना चाहती : आप
» दिल्ली जल बोर्ड मामले में ईडी ने भेजा नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

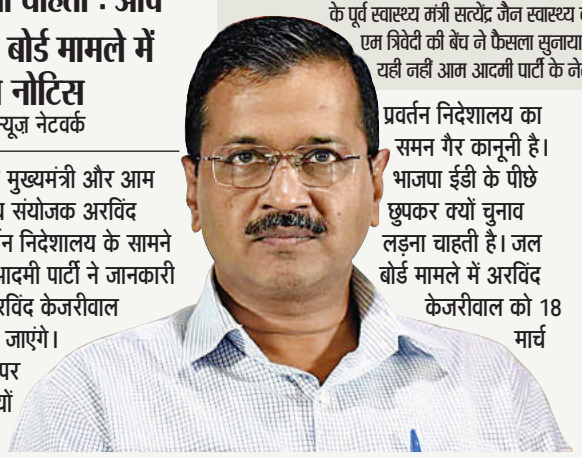

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आज प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश नहीं होंगे। आम आदमी पार्टी ने जानकारी देते हुए बताया कि अरविंद केजरीवाल ईडी के समन पर नहीं जाएंगे। जब कोर्ट से जमानत पर हैं तो ईडी बार बार क्यों समन भेज रही है। प्रवर्तन निदेशालय का समन गैर कानूनी है। भाजपा ईडी के पीछे छुपकर क्यों चुनाव लड़ना चाहती है। जल बोर्ड मामले में अरविंद केजरीवाल को 18 मार्च को ईडी कार्यालय में पेश होने और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था। वहीं, ईडी ने आबकारी नीति मामले में भी केजरीवाल को 9वां समन जारी किया। मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के तहत दर्ज यह दूसरा मामला है, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक को तलब किया गया था।

ईडी दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई कर रही है। इस मामले में सीबीआई ने मामला दर्ज कर रखा है।

सत्येंद्र जैन को 'सुप्रीम' झटका, कोर्ट का आदेश तत्काल सरेंडर करें

आय से अधिक संपत्ति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येंद्र जैन अब तक जेल से बाहर चल रहे थे। मगर अब सुप्रीम कोर्ट से सत्येंद्र जैन को बड़ा झटका लगा है। उनकी जमानत याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। अब सत्येंद्र जैन को कोर्ट में सरेंडर करना होगा। इसके साथ ही उन्हें फिर से जेल की हवा खानी पड़ेगी। कोर्ट के आदेश के अनुसार सत्येंद्र जैन को 18 मार्च को ही सरेंडर करना होगा। बता दें कि आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन स्वास्थ्य कारणों से अंतरिम जमानत पर थे। उनकी जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने फैसला सुनाया है। इस फैसले के आने के बाद सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका खारिज कर दी गई है। सिर्फ यही नहीं आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन ने स्वास्थ्य कारण से बीते वर्ष मई के महीने में जमानत हासिल की थी।

गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची बीआरएस नेता के. कविता

दिल्ली शराब नीति मामले में गिरफ्तार बीआरएस की नेता के कविता ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। साथ ही के कविता ने अपनी गिरफ्तारी को भी अवैध बताया है। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए के कविता को हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। कविता ने ईडी के कुछ समन नजरअंदाज किए थे। इसी के बाद ईडी ने उनके घर पर छापेमारी की थी। गिरफ्तारी के वक्त कविता के भाई और तेलंगाना के पूर्व मंत्री केटी रामा राव और ईडी के अधिकारियों की टीम के बीच जमकर बहस हुई।

जांच से फिर भाग रहे हैं सीएम : सचदेवा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने ईडी के समन पर पेश न होने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि जांच से फिर भाग रहे हैं। अब तो यह स्पष्ट है कि अरविंद केजरीवाल भ्रष्ट हैं, दाल में काला नही है, जलबोर्ड घोटाला तो पूरा काला है। सचदेवा ने ईडी द्वारा भेजे गए 9वें सम्मन पर कहा कि जांच एजेंसी स्वतंत्र रूप से अपना काम कर रही है, लेकिन केजरीवाल बार-बार कानून की अवहेलना कर रहे हैं। उन्होंने कल जिस मामले में जमानत ली है उसका शराब नीति केस से कोई लेना देना नहीं है। सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की प्रवृति एवं बोलचाल की भाषा गुंडों और लुटेरों जैसी है और उनकी भाषा ही उनके चरित्र का प्रमाण है।

राहुल जैसी यात्रा कोई नहीं निकाल सकता

» सपा प्रमुख अखिलेश ने लिखा पत्र- भारत जोड़ो न्याय यात्रा को सराहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन पर कांग्रेस नेता के दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि बहुत कम लोग हैं, जो ऐसी यात्रा निकाल सकते हैं। राहुल गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन मध्य मुंबई में डॉ. बीआर आंबेडकर के स्मारक चैत्य भूमि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर और संविधान की प्रस्तावना पढ़कर किया।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव को इस यात्रा में शामिल होना था लेकिन वह शामिल नहीं हो सके। उन्होंने राहुल गांधी को एक पत्र लिखकर अपनी शुभकामनाएं दीं और भरोसा जताया कि इस यात्रा को असली सफलता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आगामी लोकसभा चुनाव में हराकर मिलेगी। सपा प्रमुख ने पत्र में कहा आज (रविवार) मुंबई में आपकी (राहुल की) भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन हो रहा है। बिरले ही लोग हैं, जो ऐसी यात्रा कर सकते हैं। आपके दृढ़ संकल्प के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यादव ने कहा आपने (राहुल ने) इस यात्रा की मणिपुर से शुरुआत की, जो भाजपा सरकार की नाकामी के कारण जल रहा है। पूर्वोत्तर से आपने तानाशाह सरकार के विरुद्ध मजबूत संदेश दिया। उन्होंने पत्र में लिखा पूरी यात्रा के दौरान आपकी किसान, नौजवान, महिला, बुजुर्ग समेत समाज के हर वर्ग से मुलाकात हुई और आप उनकी समस्याओं से नजदीक से रूबरू हुए। यात्रा में शामिल न हो पाने का जिक्र करते हुए यादव ने कहा निर्वाचन आयोग (ईसी) चुनाव की घोषणा कर दी गई, 20 मार्च से यूपी में नामांकन प्रारंभ है, जिसकी तैयारियों के चलते ही यात्रा के समापन कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पा रहा हूं। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि सात चरणों में होने वाले चुनाव दुख, दर्द और दमन का प्रतीक बन चुकी भाजपा सरकार की सात चरणों में हो रही विदाई की रूपरेखा है। जनता इन सात चरणों के चुनाव में भाजपा को हराएगी। भाजपा की अहंकारी सत्ता का जवाब समाजवादी पीडीए इंडिया गठबंधन है। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार के 10 वर्ष जनता के लिए परेशानी और यंत्रणा भरे रहे हैं। महंगाई, भ्रष्टाचार, अन्याय और अत्याचार सरकार का अभिन्न अंग बन गए हैं। पुलिस हिरासत में लोगों की मौतें हो रही हैं। महिलाएं और बच्चियां अपमानित और असुरक्षित हैं। डबल इंजन भाजपा सरकार में देश और प्रदेश का विकास नहीं हुआ।

सात चरणों में तैयार होगी बीजेपी की विदाई की रुपरेखा

बीजेपी को जनता इस चुनाव में उखाड़ फेंकेगी

सपा प्रमुख ने उम्मीद जताते हुए कहा, आशा ही नही बल्कि पूर्ण विश्वास है कि किसान, नौजवान, पिछड़ा, दलित और महिला विरोधी भाजपा को जनता इस चुनाव मे उखाड़ फेंकेगी। इस यात्रा की असली सफलता इसी मायने मे होगी कि भाजपा को इस चुनाव मे पराजय मिले। यादव ने एक्स पर एक पोस्ट मे कहा, मुंबई मे भारत जोड़ो न्याय यात्रा के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के लिए बधाई। अखिलेश ने पोस्ट के माध्यम से नारा दिया भाजपा को हराएंगे-इंडिया को जिताएंगे, भाजपा हारेगी-देशवासी जीतेंगे, भाजपा हटाओ-देश बचाओ, भाजपा हटाओ-नौकरी पाओ, भाजपा हटाओ-संविधान बचाओ, भाजपा हटाओ-आरक्षण बचाओ।

भाजपा के खिलाफ चालाकी से चुनाव लड़ने की जरूरत : डिंपल यादव

मैनपुरी में सांसद डिंपल यादव ने बीजपी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा इस चुनाव में जीत के लिए सभी हथकंडे अपनाएगी। कर्मठ कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जाएगा। इसलिए बहुत ही चालाकी से सपाइयों को चुनाव लड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि करहल और मैनपुरी क्षेत्र से ही समाजवादी विचारधारा की शुरुआत हुई। इसे नेताजी ने पूरे उत्तर प्रदेश में फैलाने का काम किया। उन्होंने लोगों से भावुक अपील करते हुए कहा कि करहल क्षेत्र के लोगों ने नेताजी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का काम किया है। वे इस बार भी सपा को वोट देकर संविधान को बचाने में सहयोग करेंगे। भाजपा पूंजीवादी पार्टी रही है। उसे किसानों, गरीबों, महिलाओं की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं। चुनाव के दौरान उन्होंने एक हेल्पलाइन जारी करने की भी बात कही। ताकि वो कार्यकर्ताओं तक अपनी बात पहुंचा सकें। इलेक्टोरल बॉन्ड की बात दोहराते हुए उन्होंने भाजपा पर सवाल खड़े किए।

बिहार में महागठबंधन के समर्थन में खामोश लहर है : तेजस्वी

» बोले- 17 महीने में 17 साल का काम हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में एक खामोश लहर है जिसके कारण आगामी लोकसभा चुनाव में आश्चर्यजनक नतीजे सामने आएंगे। यादव ने कहा कि चुनाव के नतीजे महागठबंधन के पक्ष में होंगे, जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के खिलाफ मजबूत लहर का संकेत देंगे। उन्होंने बिहार की पिछली महागठबंधन सरकार के 17 महीने के कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और इसकी तुलना भाजपा-जदयू के 17 वर्ष के शासन से की।

यादव ने कहा, बिहार की जनता जानती है कि महागठबंधन सरकार अपने 17 महीने के शासनकाल में बिहार में क्या किया। जो काम 17 महीने में हुआ, वह 17 साल (भाजपा-जदयू शासन) में नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग महागठबंधन के किए प्रयासों को पहचानते हैं और मानते हैं कि उसके नेतृत्व में बड़े परिवर्तन संभव हैं। राजद नेता शिवाजी पार्क में विपक्षी गठबंधन इंडिया द्वारा आयोजित एक रैली में भाग लेने के लिए मुंबई रवाना हुए। उन्होंने जातिगत सर्वेक्षण रिपोर्ट पर आधारित महागठबंधन की नीतियों, विशेष रूप से वंचित जातियों के लिए राज्य सरकार की नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के महत्व पर जोर दिया। यादव ने आरक्षण बढ़ाने के कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में नहीं रखने के लिए केंद्र की राजग सरकार की आलोचना की।

कांग्रेस जीत के लिए लगाएगी पूरी ताकत

» यूपी में 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है पार्टी

» प्रभारियों को हर सप्ताह देनी होगी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस यूपी में हर हाल में अपनी लोस सीटें बढ़ाने की कोशिश में जुट गई है। इसी के मद्देलजर उसने क्षेत्रवार तैयारी तेज कर दी है। हर लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी को क्षेत्र में किए गए कार्यों की साप्ताहिक रिपोर्ट देनी होगी। इसमें बूथवार बनाई गई रणनीति को बताना होगा। यह रिपोर्ट प्रदेश मुख्यालय से लेकर राष्ट्रीय कार्यालय तक भेजी जाएगी। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को 17 सीटें मिली हैं।

कांग्रेस ने इन सभी सीटों पर ताकत झोंक रखी है। पार्टी के नए नेताओं के साथ ही पुराने नेताओं को भी सक्रिय किया गया है। बूथवार बैठकों का दौर चल रहा है। पार्टी ने लोकसभा क्षेत्रवार प्रभारी भी नियुक्त किए हैं। सभी लोकसभा क्षेत्र प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र की हर सप्ताह रिपोर्ट तैयार करें। इसमें बूथवार जातीय गणित, गठबंधन प्रत्याशी और दूसरे प्रत्याशियों की वजह से बनते-बिगड़ते समीकरण, बूथ कमेटियों की बैठक में शामिल होने वाले वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति, पार्टी की ओर से दिए गए निर्देश के पालन सहित अन्य जानकारी देनी होगी। यह रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी के साथ ही केंद्रीय टीम को भी भेजा जाएगा। चुनाव संचालन समिति की बैठक में भी लोकसभा क्षेत्रवार रिपोर्ट की समीक्षा की जाएगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि हर लोकसभा क्षेत्र में पार्टी के नेता सक्रिय हैं। प्रभारियों से लोकसभा क्षेत्र में चलने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी मांगी गई है ताकि वस्तु स्थिति को ध्यान में रखकर आगे की रणनीति तैयार की जा सके।

पार्टी के एक्स और फेसबुक पेज पर उपलब्ध सूची ही अधिकृत : सपा

प्रत्याशियों की फर्जी सूची वायरल होने पर समाजवादी पार्टी ने स्पष्ट किया है कि उसके आधिकारिक एक्स और फेसबुक पेज पर उपलब्ध सूची ही अधिकृत है। इसके अलावा अन्य जो भी सूचियां सोशल मीडिया के जरिये वायरल हो रही हैं, वो फर्जी हैं। यहां बता दें कि रविवार को सपा की एक फर्जी सूची वायरल हुई, जिसमें पीलीभीत से वरुण गांधी, जौनपुर से धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला सिंह और मछलीशहर से रागनी सोनकर का नाम चल रहा था।

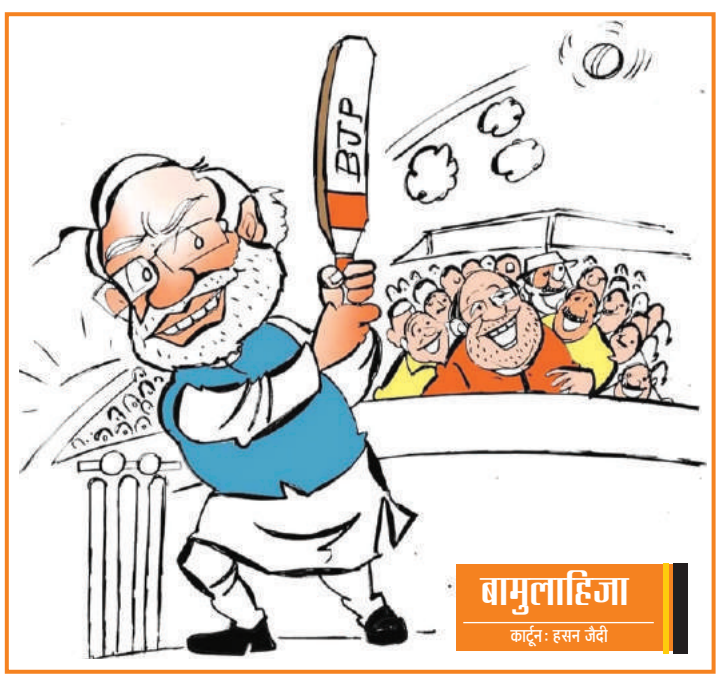

ईश्वरप्पा ने ठुकराई भाजपा की मांग, लोस चुनाव लड़ने पर अड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिवमोगा (कर्नाटक)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और कर्नाटक के प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल को पार्टी से बगावत करने वाले के.एस. ईश्वरप्पा को मनाने पहुंचे, लेकिन पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने के अपने फैसले पर अड़े हुए हैं। ईश्वरप्पा कर्नाटक के शिमोगा लोकसभा क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. एदियुरप्पा के बड़े बेटे बी.वाई. राघवेंद्र के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे।

अग्रवाल ने ईश्वरप्पा से मुलाकात की और उन्हें चुनाव नहीं लड़ने के लिए मनाने की कोशिश की। हालांकि, वह अड़े रहे और कहा कि वह निश्चित रूप से चुनाव लड़ेंगे। अग्रवाल ने कहा कि यह उनकी निजी यात्रा थी और इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। अग्रवाल ने कहा, हम एक ही पार्टी के दोस्त हैं। यह हमारी निजी यात्रा थी। मैं उनके परिवार के साथ बैठा। वहां बच्चे थे। हम बच्चों से राजनीति पर बात नहीं करते। परिवार से मिलना मेरे लिए कोई राजनीतिक विषय नहीं है। बेटे के.ई. कांतेश को टिकट देने से इनकार करने पर ईश्वरप्पा ने रविवार को एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य बी.एस. एदियुरप्पा के खिलाफ अपना गुस्सा व्यक्त किया।

लोस-24 चुनाव का बज गया बिगुल, महारथी मुस्तैद

जनता की चौखट पर मत्था टेकेंगे नेताजी

सात चरणों में होंगे आम चुनाव 26 विस सीटों पर उपचुनाव भी

भाजपा, कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल तैयारी में जुटे

» अब चलेगा रैलियों व जनसभाओं का दौर

» ईवीएम से ही होंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है। चुनाव सात चरण में होंगे। 4 जून को पूरे देश में वोटों की गिनती होगी। पहला चरण- 20 मार्च को नोटिफिकेशन, 19 अप्रैल को वोटिंग, दूसरा चरण- 28 मार्च को नोटिफिकेशन, 26 अप्रैल को वोटिंग,तीसरा चरण- 12 अप्रैल को नोटिफिकेशन, 7 मई को वोटिंग,चौथा चरण- 18 अप्रैल को नोटिफिकेशन, 13 मई को वोटिंग,पांच चरण- 26 अप्रैल को नोटिफिकेशन, 20 मई को वोटिंग,छठा चरण- 29 अप्रैल को नोटिफिकेशन, 25 मई को वोटिंग,सातवां चरण- 7 मई को नोटिफिकेशन, 1 जून को वोटिंग।

अब सारे सियासी दल चुनावी मोड में आएंगे। अब नेता जी जनता की चौखट पर वोट मांगने जाएंगे। जहां सत्ता में बैठी बीजेपी अपना हिसाब देकर मत मांगेगी वहीं विपक्ष अपनी योजनाएं बताकर जनता का समर्थन चाहेगा। इस बार राममंदिर, सीएए, जातिगत जनगणना, महंगाई, विकास, किसान, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर लोगों से वोट हासिल करने की कोशिश की जाएगी। उधर चुनाव की तारीखों की घोषणा होते ही चुनावी सरगर्मी भी बढ़ गई है। इसी बीच लोकसभा चुनावों की घोषणा से ठीक पहले ही भारतीय जनता पार्टी ने एक गीत लॉन्च कर दिया है, जो खासतौर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध में है। इस गाने के जरिए केंद्र सरकार सत्ता में आकर हैट्रिक लगाने की कोशिश में जुटती दिख रही है। वहीं निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनावों की घोषणा किए जाने के साथ ही आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) भी प्रभावी हो जाएगी। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव तारीखों की घोषणा की तारीख से इसे लागू किया जाता है और यह चुनाव प्रक्रिया के पूर्ण होने तक लागू रहती है। लोकसभा चुनावों के दौरान आदर्श आचार संहिता पूरे देश में जबकि विधानसभा चुनावों के दौरान पूरे राज्य में लागू होती है। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिका पर विचार से इनकार कर दिया। जस्टिस संजीव खन्ना की पीठ ने कहा, यह कोर्ट पहले ही कई बार इसकी जांच व ईवीएम से जुड़े कई मुद्दों पर विचार कर चुकी है।

97 करोड़ मतदाता कर सकेंगे अपने हक का उपयोग

इस चुनाव में करीब 97 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। देशभर में 12 लाख से अधिक मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। आयोग के अनुसार, मतदाता सूची में 18 से 29 साल की उम्र वाले दो करोड़ नए मतदाता जोड़े गए हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में 96.88 करोड़ मतदाता हिस्सा लेंगे। इनमें 49.72 करोड़ पुरुष, 47.15 करोड़ महिला मतदाता हैं।

सात चरणों में हुआ था पिछला आम चुनाव

2019 में चुनाव की तारीखों का एलान 10 मार्च को हुआ था। मतदान सात चरणों में 11 अप्रैल से 19 मई के बीच कराया गया, जबकि वोटों की गिनती 23 मई को हुई थी। उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में सात चरणों में मतदान हुआ था। वहीं, 22 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में एक ही चरण में वोट पड़े थे। 2014 में चुनाव की तारीखों की घोषणा 5 मार्च को हुई थी। 7 अप्रैल से 12 मई तक 9 चरणों में चुनाव हुए थे। 16 मई को परिणाम घोषित किए गए थे।

कांग्रेस किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए लाएगी खुशहाली की गारंटी : खरगे

लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर सभी श्रम कानूनों के साथ-साथ श्रमिकों के कल्याण की योजनाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया है। खरगे ने बताया कि कांग्रेस ने किसान न्याय, युवा न्याय और महिला न्याय के लिए 15 गारंटी की घोषणा की है। खरगे ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने सामाजिक सुरक्षा, उचित वेतन और श्रमिकों की स्थिति में सुधार के लिए कई कानून बनाए। दुर्भाग्य से इस एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी ने सभी श्रम कानूनों के साथ-साथ श्रमिकों के कल्याण की योजनाओं को भी कमजोर कर दिया है। यहां तक कि मनरेगा श्रमिकों को उनकी पूरी मजदूरी नहीं मिल रही है और राज्य सरकार को नियमित पैसा भी जारी नहीं किया जाता है।उन्होंने आगे कहा, प्रत्येक न्याय के पांच बिंदु होते हैं, जिससे यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय प्रदान करने के लिए 15 न्याय बनते हैं। आज हम और पांच गारंटी की घोषणा करते हैं, जिसमें श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय शामिल है।

10 वर्षों की उपलब्धियों को बखान करेगी बीजेपी

भाजपा ने नया सॉन्ग लॉन्च किया है, जिसका नाम मैं मोदी का परिवार हूं रखा गया है। ये गाना पूरे तीन मिनट 13 सेकेंड का है। इस गाने में मोदी सरकार की 10 वर्षों की उपलब्धियों को दर्शाया गया है। वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण से लेकर उनकी सभाओं के दृश्यों को शामिल किया गया है। ये गाना पूरे तीन मिनट 13 सेकेंड का है। इस गाने में मोदी सरकार की 10 वर्षों की उपलब्धियों को दर्शाया गया है। वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण से लेकर उनकी सभाओं के दृश्यों को शामिल किया गया है। इस गाने में कश्मीर के युवाओं को भी दिखाया गया है। इस गाने की एक और खासियत है कि ये सिर्फ एक या दो भाषा में नहीं बना है बल्कि इसे देश की हर भाषा में सुना जा सकता है। इस गाने के जरिए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो में विपक्ष पर भी निशाना साधा है। उन्होंने इस गाने को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी शेयर किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि मेरा भारत, मेरा परिवार। गौरतलब है कि चुनावों से पूर्व कई राजनीतिक दल अलग अलग तरीकों से अपने एजेंडा से जनता को अवगत करवाते है। ऐसा ही एक तरीका है ये चुनावी गीत, जो भाजपा ने लॉन्च किया है।

1960 से शुरू हुआ था आदर्श आचार संहिता लगना

आचार संहिता की उत्पत्ति 1960 मे केरल विधानसभा चुनाव के दौरान हुई थी, तब प्रशासन ने राजनीतिक दलो के लिए एक आचार संहिता बनाने की कोशिश की थी। निर्वाचन आयोग के मुताबिक आचार संहिता के मौजूदा स्वरूप पिछले 60 साल के प्रयासो और विकास का नतीजा है। आदर्श आचार संहिता चुनावो के दौरान सभी हितधारको द्वारा स्वीकार्य नियम है। इसका उद्देश्य प्रचार, मतदान और मतगणना को व्यवस्थित, स्वच्छ और शांतिपूर्ण रखना और सत्तारूढ़ दलो द्वारा राज्य मशीनरी और वित्त के किसी भी दुरुपयोग को रोकना है। परंतु, इसे कोई वैधानिक मान्यता प्राप्त नही है। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने कई मौको पर इसकी सुचिता को बरकरार रखा है। चुनाव आयोग आचार संहिता के किसी भी उल्लंघन की जांच करने और सजा सुनाने के लिए पूरी तरह से अधिकृत है। निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा किए जाने के साथ ही यह संहिता लागू हो जाती है और निर्वाचन प्रक्रिया समाप्त होने तक लागू रहती है। लीप ऑफ फेथ शीर्षक से प्रकाशित किताब मे लिखा गया है, संहिता पिछले 60 वर्षों मे विकसित होकर अपना वर्तमान स्वरूप ग्रहण कर चुकी है। इसकी उत्पत्ति केरल मे 1960 के विधानसभा चुनावो के दौरान हुई थी, जब प्रशासन ने राजनीतिक दलो के लिए आचार संहिता विकसित करने का प्रयास किया था। भारत मे चुनावो की यात्रा का दस्तावेजीकरण करने के लिए निर्वाचन आयोग ने यह पुस्तक प्रकाशित की थी। आदर्श आचार संहिता पहली बार भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा न्यूनतम आचार संहिता के शीर्षक के तहत 26 सितंबर, 1968 को मध्यावधि चुनाव 1968-69 के दौरान जारी की गई थी। इस संहिता को 1979, 1982, 1991 मे 2010 मे और संशोधित किया गया। चुनावो के दौरान राजनीतिक दलो की भूमिका और जिम्मेदारियां: चुनाव प्रचार और अभियान के दौरान न्यूनतम आचार संहिता के पालन के लिए राजनीतिक दलो से एक अपील , मानक राजनीतिक व्यवहार का निर्धारण करने वाला एक दस्तावेज है और 1968 और 1969 के मध्यावधि चुनाव के दौरान आयोग ने तैयार किया था।

आदर्श आचार संहिता को वैधानिक जामा 2010 के बाद मिला

एक संसदीय समिति ने 2010 मे सिफारिश की थी कि आदर्श आचार संहिता को वैधानिक जामा पहनाया जाना चाहित ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निर्वाचन आयोग को अपनी शक्ति का इस्तेमाल करने के लिए कोई रिक्तता नही हो। समिति ने यह भी सिफारिश की थी कि आदर्श आचार संहिता को चुनाव की अधिसूचना की तारीख से लागू किया जाए, न कि घोषणा की तारीख सेअ इसे और अधिक यथार्थवादी बनाने के लिए उम्मीदवारो की चुनाव व्यय सीमा मे संशोधनअ फास्ट-ट्रैक अदालते 12 महीने के भीतर चुनावी विवादो का निपटारा करे और निर्दलीय सांसदो को चुनाव के छह महीने के भीतर किसी भी राजनीतिक दल मे शामिल होने की अनुमति हो। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त कुरैशी अपने कार्यकाल के दौरान आदर्श आचार संहिता को वैधानिक बनाने का जोरदार समर्थन किया। उन्होने इसका उल्लंघन करने वाले नेताओ के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई का सुझाव दिया था।

विपक्षी गठबंधन पर रहेगा दबाव

पिछले चुनाव में भाजपा 303 व कांग्रेस 52 सीटों पर जीती थी। कांग्रेस लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर दावा करने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं जुटा सकी थी। लिहाजा, इस चुनाव को विपक्षी गठबंधन के लिए करो या मरो की लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है। इस चुनाव में राम मंदिर, विकास, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, जातिगत जनगणना व चुनावर बॉण्ड जैसे बड़े मुद्दे हावी रहेंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

चुनावों का ऐलान, जनता से जुड़े मुद्दे ही उठाएं नेता

लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। कई गंभीर मुद्दों के बीच चुनावी बॉण्ड के द्वारा लिए चंदे को भी मुद्दा बनना चाहिए। चूकि मोदी सरकार ने यह योजना कालेधन के चुनाव में प्रयोग को रोकने के लिए लाया था। पर जिस तरह सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद एसबीआई द्वारा चंदा देने वाले व लेने वाले की सूची चुनाव आयोग ने इंटरनेट पर अपलोड की है, उसमें जहां सत्ता पक्ष को सबसे ज्यादा बॉण्ड के माध्यम से पैसा मिला है। इससे यह तो प्रथम दृष्टया यही लग रहा है सत्ता के दम पर बीजेपी ने धन हासिल किया है। इन सबके बीच पक्ष व विपक्ष में वार पलटवार भी हो रहा है। सत्ता से जुड़े लोग इस योजना को सही बता रहे हैं तो विपक्ष इसे सत्ता के द्वारा गिरोहबंद लूट बता रहा है। मामला सुप्रीम कोर्ट में है अदालत क्या फैसला देगी यह तो समय बताएगा। पर चर्चा तो होनी चाहिए कि क्या चुनावी बॉण्ड गलत है।

वैसे देखा जाए इससे धन जमा व निकासी का पता तो चल जाएगा पर इससे एक चीज का खतरा बढ़ सकता है कि बिजनेस से जुड़े लोग सत्ता में काबिज पार्टी का बॉण्ड खरीद कर अपने मुताबिक सरकारी योजनाएं हासिल कर सकते हैं और आम जन को इग्नोर कर सकते है। ये भी एक तरह से भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे सकता है। उधर इस ममाले पर गृहमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि इलेक्टोरल बॉन्ड भारतीय राजनीति से कालाधन समाप्त करने के लिए लाया गया। पहले क्या किसी को राजनीतिक चंदा के बारे में कुछ पता चलता था। करोड़ों का चंदा लिया कैश में। उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड आने से पहले चुनाव का खर्चा कहां से आता था? क्या वो कालाधन था या हिसाब-किताब का धन था? उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड पारदर्शिता के लिए आया, डर है कि अब राजनीति में फिर काला धन लौट आएगा। मंत्री ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड का पैसा काला धन नहीं है। उन कंपनियों की बैलेंस शीट में रिफ्लेक्ट होता है कि हमने चुनाव के लिए बॉन्ड दिया है। सिर्फ गोपनीयता इसलिए रखी गई थी क्योंकि अगर वो कांग्रेस को देंगे तो परेशान किया जा सकता है। या जहां कांग्रेस का शासन वो उन्हें परेशान कर सकते थे जिसे वो बॉण्ड देते। चुनावी चंदा कितना मिला ये पार्टी के बैलेंस शीट में रिफ्लेक्ट होता है। बॉण्ड कितना दिया गया ये कंपनी के बैलेंस शीट में रिफ्लेक्ट होता है। क्या गोपनीय बचा? गोपनीय तो तब होगा ना जब कैश से चंदा लिया जाएगा। वहीं कांग्रेस ने कहा कि यह दुनिया का सबसे बढ़ा सरकारी लूट की योजना है। खैर अब चुनावों के बाद ही पता चलेगा की इस मुद्दे ने जनता को कितना प्रभावित किया।

सत्ता से जुड़े लोग इस योजना को सही बता रहे हैं तो विपक्ष इसे सत्ता के द्वारा गिरोहबंद लूट बता रहा है। मामला सुप्रीम कोर्ट में है अदालत क्या फैसला देगी यह तो समय बताएगा। पर चर्चा तो होनी चाहिए कि क्या चुनावी बॉण्ड गलत है। वैसे देखा जाए इससे धन जमा व निकासी का पता तो चल जाएगा पर इससे सक चीज का खतरा बढ़ सकता है कि बिजनेस से जुड़े लोग सत्ता में काबिज पार्टी का बॉण्ड खरीद कर अपने मुताबिक सरकारी योजनाएं हासिल कर सकते हैं और आम जन को इग्नोर कर सकते है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चढ़ते सूरज को अर्घ्य देने को पाला बदल

हेमंत पाल

राजनीति एक ऐसी जगह है जहां सारे फैसले जमीर को किनारे रखकर लिए जाते हैं। इसमें जो कुछ होता है, वो सिर्फ तात्कालिक स्वार्थ के लिए होता है। नैतिकता, खुद्दारी और आत्मसम्मान को हाशिये पर रखकर वे ऐसे फैसले करते हैं, जिसमें निष्ठा और प्रतिबद्धता के लिए कोई जगह नहीं बचती। पार्टी बदल भी राजनीति में एक ऐसी ही घटना है, जो बहुत सामान्य हो गई। इन दिनों मध्यप्रदेश में कांग्रेस के नेताओं की भागमभाग लगी है। नेता पाला-बदल जुगाड़ में लगे हैं। उनकी सोच है कि यदि गले का दुपट्टा बदलने से स्वार्थ सिद्धि होती है, तो फिर उसमें बुराई क्या है! करीब साढ़े तीन साल पहले मध्यप्रदेश की राजनीति में एक भूचाल-सा आया था। तब कांग्रेस के नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने 22 समर्थक विधायकों के साथ पार्टी से विद्रोह किया था।

नतीजतन कांग्रेस की तत्कालीन कमलनाथ सरकार भरभराकर गिर गई। वर्ष 2018 का विधानसभा चुनाव हारी भाजपा ने फिर प्रदेश में सरकार बना ली। लेकिन, सिंधिया के विद्रोह की जड़ें इतनी गहरे तक उतर गई, कि वो आज भी पल्लवित हो रही हैं। यही वजह है कि 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की सरकार बनने की संभावना आंककर कई भाजपा नेता कांग्रेस के पाले में आए थे। लेकिन, अब हवा उलटी चलती दिखाई दे रही है, तो लोकसभा चुनाव से पहले कई नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा का पल्ला थामने में लगे हैं। इनमें वे नेता भी हैं, जो पहले भाजपा से कांग्रेस में गए थे, वे अब यू-टर्न लेने लगे। कुछ दिनों पहले मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके सांसद बेटे के भाजपा में जाने को लेकर भी बहुत हल्ला हुआ था। वह कोशिश राजनीतिक कारणों से साकार नहीं हो सकी, पर उसकी कमी कांग्रेस से चार बार राज्यसभा सदस्य रहे सुरेश पचौरी, पूर्व विधायक संजय शुक्ला, विशाल पटेल के साथ तीन बार के सांसद रहे गजेंद्रसिंह राजूखेड़ी ने पूरी कर दी। सभी समर्थकों संग भाजपा में शामिल हो गए।

आखिर कांग्रेस में ऐसा क्या हो गया कि उसमें भगदड़ जैसे हालात बन गए। रोज कोई न कोई बड़ा नेता भाजपा खेमे में खड़ा दिखाई देने लगा। इसके मूल में राजनीतिक कारणों से इतर कोई न कोई स्वार्थ नजर आता है। किसी ने टिकट न मिलने से नाराज होकर पार्टी छोड़ दी तो कुछ नेताओं के कारोबार पर

आया संकट इसकी वजह है। लेकिन, सुरेश पचौरी जैसे 72 साल के नेता का कांग्रेस से क्यों मोहभंग हुआ और भाजपा में उनका क्या उपयोग है, ये किसी को समझ से परे है। कांग्रेस छोड़ने वाले ज्यादातर नेताओं का कहना है, कि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का राम मंदिर लोकार्पण समारोह का निमंत्रण ठुकराना सही फैसला नहीं था। पार्टी में भगदड़ के जो हालात बने, उसका मूल कारण फिलहाल तो यही बताया जा रहा है। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को अंदाजा नहीं था कि इस फैसले का खमियाजा उन्हें इस तरह भुगतना पड़ेगा। कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने के फैसले को कम से कम राजनीतिक विचारधारा में बदलाव तो नहीं कहा जा सकता। विचारधारा की जड़ें इतनी कच्ची नहीं होती कि झटके में उखड़ जाएं। अन्य कारण भी हैं, जिससे ये नेता कांग्रेस छोड़ने को मजबूर हुए। इंदौर के धन्नासेठ पूर्व विधायक संजय शुक्ला ने अपने विधायक कार्यकाल में क्षेत्र के लोगों को अयोध्या की मुफ्त यात्रा कराई। राम मंदिर लोकार्पण को लेकर कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के रवैये ने उन्हें आहत किया। ऐसे ही हर नेता के पास कोई न कोई तार्किक कारण है। एक आंकड़े के अनुसार पांच हजार से अधिक कांग्रेसियों ने पार्टी का 'हाथ' छोड़ दिया। ऐसे नेताओं की भी कमी नहीं, जो पहले भाजपा में रहे, फिर माहौल बदला तो कांग्रेस में आ गए, चुनाव जीतकर सांसद और विधायक बने और अब वापस लौट गए या लौटने वाले हैं। धार संसदीय क्षेत्र से तीन बार सांसद और एक बार मनावर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे आदिवासी नेता गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी ने भी गले में भाजपा का भगवा गमछा डाल लिया। जबकि, राजूखेड़ी का रणनीति में पदार्पण भाजपा का झंडा थामकर हुआ था। उन्होंने 1989 में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री रहे कांग्रेस नेता शिवभानु सिंह सोलंकी को मनावर में हराया था। लेकिन, इसके बाद वे भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आ गए और तीन बार सांसद चुने गए। उनका आरोप है कि कांग्रेस ने उनकी उपेक्षा की। लोकसभा चुनाव पैनल से नाम कटने पर उन्होंने पार्टी को अलविदा कहा।

वैसे इस दलदल से भाजपा को भी देर-सवेर नुकसान हो सकता है।? इन नेताओं के आने से भाजपा के प्रतिबद्ध नेता हाशिये पर चले जाएंगे। जैसे ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके पूरे गुट के भाजपा में जाने के बाद प्रदेश के उन इलाकों में भाजपा के नेता हाशिये पर चले ही गए, जहां सिंधिया-गुट का दबदबा था। लेकिन राजनीति को हमेशा फास्टफूड की तरह देखा जाता है।

सत्ता की राजनीति हेतु प्रचंड पथ का फरेब

पुष्परंजन

'एक सिंगा गेंडा' नेपाल का राष्ट्रीय पशु है। प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 23 सितंबर, 2023 को अपनी चीन यात्रा में दो गेंडे साथ लेते गये थे। चीन इस गिफ्ट से गद्गद था। तब यह सुनिश्चित हुआ कि प्रचंड 'गेंडा कूटनीति' को आगे भी मजबूत करते रहेंगे। ट्रेड-ट्रांजिट, ऊर्जा व बीआरआई जैसे समझौतों को आप उभयपक्षीय उदाहरण के रूप में ले सकते हैं। चीनी दूतावास ने 14 जनवरी, 2024 को काठमांडो में पहली बार चीनी चंद्र नववर्ष समारोह का आयोजन किया था, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री प्रचंड ने किया था। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने चीनी कलाबाजी और जादू का प्रदर्शन किया था। इसके दस दिन बाद चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसीआईडी) के अंतर्राष्ट्रीय विभाग में उपमंत्री सुन हैयान ने 26 जनवरी, 2024 को नेपाल का दौरा किया था। चीनी जादू के साथ-साथ प्रचंड की गेंडा नीति को समझने के लिए इस संदर्भ की जरूरत है।

आप जितनी मर्जी प्रचंड की आलोचना करें। वो वर्जचर्मा हैं। लोगों की बातों और निंदा का असर प्रचंड पर नहीं होता। नेपाल में भारत की तरह द्विसदनात्मक व्यवस्था है। 59 सदस्यीय ऊपरी सदन 'राष्ट्रीय सभा' (नेशनल असेंबली) में मंगलवार को वोटिंग के जरिये प्रचंड ने अपने भाई नारायण दाहाल को अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित करा दिया। नेशनल असेंबली में स्पीकर पद के लिए मंगलवार को हुए मतदान में नारायण दाहाल को ओली की नेकपा-एमाले और माओवादी सेंटर समेत पांच पार्टियों ने समर्थन दिया था। उसके अगले दिन बुधवार को प्रचंड 275 सदस्यीय निचले सदन 'प्रतिनिधि सभा' में विश्वास मत जीत गये। संसद में विश्वासमत वाली सुबह प्रचंड से चीनी राजदूत छन सोंग बलुआटार स्थित पीएम आवास पर मिले। प्रचंड के लिए वोट करने वाले नेकपा-एमाले के 75, माओवादी सेंटर के 32, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के 21, जनता समाजवादी पार्टी के 12, यूनिफाइड सोशलिस्ट के 10, नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के 4, आम जनता पार्टी के प्रभु साह के साथ-साथ निर्दलीय अमरेश कुमार सिंह और योगेन्द्र मंडल भी शामिल हैं।

प्रचंड को समर्थन देने वालों में आम जनता पार्टी नेपाल के साथ-साथ निर्दलीय सांसद अमरेश कुमार सिंह और योगेन्द्र मंडल भी शामिल हैं। प्रचंड के खिलाफ मतदान करने वालों में नेपाली कांग्रेस के 87 सांसद, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के 13, जनमत पार्टी के 5, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के 4 और राष्ट्रीय जनमोर्चा के एक विधायक शामिल थे। विश्वास प्रस्ताव के समय नेपाल वर्कर्स एंड पीजेंट्स पार्टी के प्रेम सुवाल मतदान से अनुपस्थित रहे। इस हफ्ते जो कुछ नेपाल की राजनीति में घटित हुआ, उससे एक बात तो स्पष्ट है कि प्रचंड को सत्ता में बने रहने की भूख सबसे अधिक है, जिसका फायदा केपी शर्मा ओली जैसे कुटिल नेता उठा रहे हैं। ओली को प्रचंड के रूप में एक कठपुतली मिल चुका है। जो ओली कभी प्रचंड के परिवार वालों को पचा नहीं पाये, अब उनसे कोई परेशानी नहीं हो रही है। 14 अगस्त, 2022 को केपी शर्मा ओली ने प्रचंड पर कटाक्ष किया था, 'मेरा छोटा भाई अभी भी जमीन जोतता है। क्या मैंने उसे राजदूत बनाया? अगर मेरा इरादा अपने भाई को राजदूत बनाने का होता तो शायद मैं ऐसा कर सकता था।' ओली ने पत्रकारों से पूछा था, क्या आपने मेरे भाई को राजदूत बनने, या किसी समिति में शामिल होने की इच्छा व्यक्त करते हुए सुना है?

यूएमएल के चेयरमैन ओली से अब कोई पूछे प्रचंड के भाई-भतीजावाद पर इतनी आपत्ति रही थी, तो आज क्या हुआ कि नारायण दाहाल को उनकी पार्टी उच्च सदन में स्पीकर पद के लिए समर्थन दे रही थी? ओली दरअसल, प्रचंड को इस कदर कमजोर, सत्ता लोभी और परिवार लोलुप साबित कर देना चाहते हैं कि एक समय के बाद नेपाल की जनता उनसे घृणा करने लगे। अस्सी के दशक में नेपाल के अकादमिक सर्किल में 'प्रचंड पथ' की खूब चर्चा होती थी। अलग-अलग लोग, 'प्रचंड पथ' की व्याख्या भी अलग-अलग। पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' के शैदाई कहते थे, 'मार्क्स-लेनिनवाद, माओ और पेरूवियन गुरिल्ला लीडर गोंजालो की विचारधारा का कॉकटेल है, 'प्रचंड पथ'। लेकिन आज की तारीख में प्रचंड पथ की साधारण व्याख्या यह है कि अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करना और परिवार वालों को राजनीति में सेटल करने का दूसरा नाम है 'प्रचंड पथ'।

25 दिसंबर, 2022 को प्रचंड तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजे थे। प्रचंड ने जितनी तेजी से गठबंधन को बदलने का उदाहरण पेश किया है, नेपाल के विश्लेषक उसकी तुलना नीतीश की पलटूमार पॉलिटिक्स से कर सकते हैं। लेकिन इसकी समीक्षा करनी चाहिए 'प्रचंड पथ' में परिवार को गद्दी देने की गुंजाइश है? ऐसा तो नहीं, कि केरल के मुख्यमंत्री कामरेड पिनराई विजयन से प्रचंड ने प्रेरणा ली हो? मई, 2021 में पिनराई विजयन ने अपने दामाद मोहम्मद रियाज को कैबिनेट में जैसे जगह दी, माकपा पर सवाल उठने लगे। प्रचंड ने प्रधानमंत्री बनने के बाद अपनी पुत्री गंगा दाहाल को जिस तरह आगे बढ़ाने की कवायद आरंभ की है, वह सत्ता के गलियारे में चर्चा का विषय है। दूसरी बेटी रेणु दाहाल की राजनीति चितवन में सलामत रहे, चुनांचे रबि लामिछाने से समझौते की विवशता है। 11 दिसंबर, 2024 को प्रचंड 72 साल के हो जाएंगे। पत्नी सीता दाहाल, बेटा प्रकाश दाहाल और बेटी ज्ञानू केसी की मृत्यु हो चुकी। दो बेटियां रेणु और गंगा विरासत संभाल लें, इसकी चिंता सताती रही है। चेयरमैन ओली की सबसे बड़ी कमजोरी थी।

सामान

ताजे गुलाब की पंखुड़ियां, पानी

गुलाब जल की विधि

सबसे पहले गुलाबों की पंखुड़ियों को अच्छी तरह से धो लें। इसके बाद एक कटोरे में पानी लेकर गुलाबों की इन पंखुड़ियों को डालें। इसके बाद अब पानी को धीमी आंच पर पकाएं। जब पानी का रंग बदलने लगे और गुलाबों की सुगंध आने लगे तो गैस बंद करें। सही से उबलने के बाद पानी को ठंडा होने दें। जब वह ठंडा हो जाए तो गुलाब की पंखुड़ियों को निकालकर पानी को सही से सूती कपड़े की मदद से छान लें। इस छने हुए पानी को एक स्प्रे वाली बोतल में भरकर इसे रख दें। घर पर बना गुलाब जल बिना किसी केमिकल का बना होता है। ऐसे में आप दिन में कई बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

तनाव से मुक्ति दिलाए

आज के समय में हर कोई तनावग्रस्त रहता है। ऐसे में अपने मूड को बेहतर बनाने के लिए आप गुलाब जल का इस्तेमाल करें। सबसे पहले तो इसकी खुशबू ही अपना कमाल कर देती है। इसके अतिरिक्त इसमें एंटीडिप्रैसेंट और एंटी-एक्साइटी प्रापर्टीज होती हैं, जो आपके मूड को बेहतर बनाने का काम करती है। इतना ही नहीं, साल 2011 में बेसिक मेडिकल साइंस के ईरानी जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया था कि गुलाब की पंखुड़ियां आपके नर्वस सिस्टम को रिलैक्स करने का काम करती हैं, जिसके कारण आप तनावमुक्त हो जाते हैं। आप अपने रूमाल या फिर कमरे में गुलाब जल को छिड़क दें। जब इसकी महक कमरे में फैलेगी तो आपका मूड भी अच्छा हो जाएगा।

संक्रमण को रोके

गुलाब जल में शक्तिशाली एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं, जो न सिर्फ संक्रमण को रोकने में मदद करते हैं, बल्कि उससे लड़ने में भी काफी प्रभावशाली तरीके से काम करते हैं। यहां तक कि इसके एंटीसेप्टिक और एनाल्जेसिक गुणों के कारण लोग आंखों में आई ड्रॉप की तरह इस्तेमाल करते हैं।

सिरदर्द से दिलाए राहत

अक्सर अरोमा थेरेपी में गुलाब जल का प्रयोग किया जाता है। दरअसल, गुलाब जल की कूलिंग प्रापर्टीज और इसकी खुशबू सिरदर्द को काफी हद तक ठीक कर देती है। इतना ही नहीं, इससे आपके शरीर को भी काफी रिलैक्स महसूस होता है। इसके लिए आप अपने सिर को कुछ देर के लिए गुलाब जल में डुबोकर रखें।

कान व दाढ़ का दर्द

गुलाब जल को औषधि के रूप में भी काम में लिया जाता है। अगर कान में दर्द हो तो आप गुलाब जल की 2-3 बूंदें कान में डाल सकते हैं, जिससे कान का दर्द गायब हो जाता है। गुलाब जल के साथ नींबू का रस मिला कर दाढ़ पर लगाने से दाढ़ का दर्द ठीक हो जाता है।

त्वचा के लिए वरदान है घर पर बना गुलाब जल

आज के समय में शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जो ये ना चाहता हो, कि उसकी त्वचा हमेशा खिली-खिली रहे। इसके लिए लोग तरह-तरह के स्किन केयर ट्रीटमेंट लेते हैं। स्किन केयर ट्रीटमेंट वैसे तो काफी कारगर होते हैं, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि ये आपकी त्वचा को ग्लोइंग बनाने की जगह उसे खराब कर देते हैं। ऐसे में बहुत से लोग इसी डर की वजह से घरेलू चीजों पर ज्यादा भरोसा करते हैं। अगर बात करें घरेलू चीजों की तो गुलाब जल एक ऐसा स्किन केयर प्रोडक्ट है, जो त्वचा को गुलाबी निखार देता है। घर पर बना गुलाब जल स्किन के लिए काफी कारगर होता है। ये आपकी त्वचा के निखार को ना सिर्फ बरकरार रखता है, बल्कि त्वचा को हाइड्रेट रखता है। इससे त्वचा संबंधी कई परेशानियां दूर होती हैं।

पाचन समस्या होगी दूर

आपको शायद यकीन न हो लेकिन गुलाब जल आपके पाचन तंत्र के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होता है। इसमें कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पाचन संबंधी गड़बड़ियों को दूर करने में मदद करते हैं। इसके लिए आप गुलाब जल को अपनी आईस टी में मिक्स करके पीएं। गुलाब जल को विभिन्न व्यंजनों में इस्तेमाल करने से आपका पाचनतंत्र सही तरह से काम करने लगेगा।

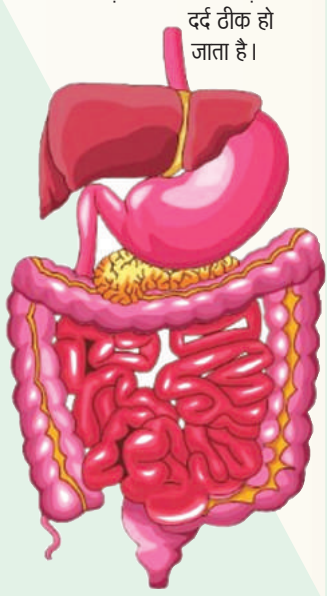

हंसना मना है

विणा पति से: तुम सच में, बहुत सीधे साधे और भोले हो, तुम्हे कोई भी आसानी से बेवकूफ बना सकता है। पति: सच कह रही हो, शुरुवात तो तुम्हारे पापा ने ही की है।

पति: अगर मैं मर गया तो तुम दूसरी शादी करोगी? वाईफ: नहीं, मैं अपनी बहन के साथ पूरी जिन्दगी रह लुंगी। वाईफ: अगर मैं मर गयी तो तुम दूसरी शादी करोगे? हसबैंड: मैं भी तुम्हारी बहन के साथ पूरी जिन्दगी रह लूंगा।

पहला दोस्त: यार मैं जिस लड़की को चाहता हूं, उसने मुझसे शादी नहीं की। दूसरा दोस्त: तुमने उसे बताया की तेरा चाचा करोड़पती है? पहला दोस्त: हां मैने बताया था। दूसरा दोस्त: तो फिर? पहला दोस्त: अब वो मेरी चाची है।

शादी की सालगिरह पर पत्नी को गुलाब देते हुए पति बोला, सालगिरह मुबारक हो! पत्नी: यह नहीं मुझे कोई सोने की चीज चाहिए, पति: ओ, यह लो तकिया और आराम से सो जाओ।

टीचर- बच्चों बताओ, घर-घर शौचालय बनाने के क्या फायदे हैं? सोनू- मास्टर साहब, वातावरण शुद्ध रहता है...टीचर- शाबाश... और दूसरा... सोनू- आगे नहीं सरकना पड़ता...

कहानी | राजा और मूर्ख बंदर

बहुत पुरानी बात है, एक राजा के पास पालतु बंदर था। राजा उस बंदर पर बहुत विश्वास करता था, क्योंकि वह बंदर राजा का भक्त था। बंदर राजा की पूरे मन से सेवा करता था, लेकिन बंदर बिल्कुल मूर्ख था। उसे कोई भी काम ठीक से समझ नहीं आता था। राजा जब भी विश्राम करता बंदर उसकी सेवा के लिए हाजिर हो जाता था। उसके लिए हाथ पंखा चलाता था। एक दिन की बात है, जब राजा सो रहा था और बंदर उसके लिए पंखा झल रहा था, तभी एक मक्खी भिन भिनाते हुए राज के ऊपर आकर बैठ जाती है। बंदर उस मक्खी को पंखे से बार-बार भागने की कोशिश करता है, लेकिन मक्खी उड़कर कभी राजा की छाती पर, कभी सिर पर, तो कभी जांघ पर जाकर बैठ जाती थी। मूर्ख बंदर काफी समय तक ऐसे ही मक्खी को भागने की कोशिश करता रहा, लेकिन मक्खी वहां से जाने का नाम ही नहीं ले रही थी। यह देखकर बंदर को क्रोध आ जाता है और वह पंखा छोड़कर तलवार निकाल लेता है। जब मक्खी राजा के माथे पर बैठती है, तो बंदर तलवार लेकर राजा की छाती पर चढ़ जाता है। यह देख कर राजा काफी डर जाता है। फिर मक्खी माथे से उड़ जाती है, तो बंदर उसे मारने के लिए हवा में तलवार चलाता है। इसके बाद मक्खी राजा के सिर पर जाकर बैठ जाती है, तो बंदर के तलवार से राजा के बाल कट जाते हैं और जब मूंछ पर बैठती है, तो मूंछ कट जाती है। यह देख राजा कमरे से जान बचाकर भागता है और बंदर तलवार लेकर उसके पीछे भागता है। इससे पूरे महल में उथल-पुथल मच जाती है।

कहानी से सीख- इस कहानी से यह सीख मिलती है कि किसी मूर्ख को ऐसा काम न सौंपे, जो बाद में आपके लिए ही खतरा उत्पन्न कर दे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा। आय बनी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें। बुरी खबर मिल सकती है। भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृषभ

सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मिथुन

पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा।

कर्क

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

सिंह

दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कन्या

यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी।

तुला

सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक

चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा।

धनु

चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है।

मकर

यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे।

कुम्भ

ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

मीन

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

यदि राजनीति में आऊंगा तो फुलटाइम काम करूंगा : रणदीप हुड्डा

रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर को लेकर चर्चा में हैं। वे जोर-शोर से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। इस बीच हाल ही में वह राजनीति में कदम रखने पर बात करते नजर आए। अभिनेता ने राजनीति में आने से इनकार तो नहीं किया है। लेकिन, यह जरूर कहा है कि अपना फिल्मी करियर छोड़ने और राजनीति से जुड़ने का फिलहाल यह सही समय नहीं है। रणदीप ने कहा कि फिलहाल वह अपने एक्टिंग करियर पर फोकस रखना चाहते हैं। तमाम मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे थे कि हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर की बायोपिक स्वातंत्र्य वीर सावरकर को लेकर चर्चा बटोर रहे रणदीप अपने गृहनगर हरियाणा के रोहतक से भाजपा उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। रणदीप ने कहा कि राजनीति फिल्म निर्माता और अभिनय जितना ही गंभीर करियर है। मैं अपने अभिनय के प्रति बहुत अधिक ईमानदार रहा हूं और पूरे दिल से अभिनय किया है। अगर मुझे राजनीति में शामिल होना पड़ा तो मैं इसे फुलटाइम काम की तरह करूंगा। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो एक ही समय में कई काम कर सके। फिलहाल, एक अभिनेता के रूप में मेरे पास करने के लिए फिल्में हैं। इसके अलावा बतौर निर्देशक मेरा करियर अभी नया है और इसमें मुझे मजा आ रहा है। बात करें रणदीप हुड्डा की फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर की तो पहले इसका निर्देशन महेश मांजरेकर करने वाले थे। लेकिन, क्रिएटिव मतभेदों के चलते उन्होंने यह प्रोजेक्ट छोड़ दिया। लीड रोल अदा करने के साथ-साथ फिल्म के निर्देशन की कमान खुद रणदीप ने संभाली है।

करिश्मा ने बताया मर्डर मुबारक में काम करने का अनुभव

मुझे विश्वास नहीं होता कि कभी इतना सनकी किरदार निभाया है

बॉलीवुड | मसाला

मल्टीस्टारर मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज मर्डर मुबारक आखिरकार 15 मार्च को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म में करिश्मा कपूर, सारा अली खान, पंकज त्रिपाठी और विजय वर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आए। सभी कलाकारों की अदाकारी को फैंस ने खूब पसंद किया। वहीं अब, फिल्म में शामिल होने पर करिश्मा कपूर ने खुलकर बात की और अपना अनुभव भी साझा किया।

हाल ही में दिए साक्षात्कार में करिश्मा कपूर ने उन दिलचस्प बातों का खुलासा किया, जिन्होंने उन्हें फिल्म की ओर आकर्षित किया। इसके साथ ही निर्देशक होमी अदजानिया ने उनके प्रदर्शन की प्रशंसा की। निर्देशक होमी अदजानिया ने मर्डर मुबारक के लिए कास्टिंग की प्रक्रिया पर चर्चा करते हुए करिश्मा कपूर की प्रतिभा की तारीफ की।

होमी अदजानिया ने कहा कि जैसे ही मैंने सभी विचारों पर गौर किया तो लोलो यानी करिश्मा की छवियों ने मेरा ध्यान खींचा और मैं हैरान रह गया। वे समझदार स्वभाव की हैं और मैंने शुरू में उन पर विचार नहीं किया था। हालांकि, मुझे तुरंत लगा कि वे शेहनाज नूरानी की भूमिका के लिए बिल्कुल ठीक होंगी।

वहीं करिश्मा कपूर ने भी फिल्म में काम करने का अपना अनुभव साझा किया। फिल्म में अपनी भूमिका पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास नहीं होता कि मैंने पहले कभी इतना अनोखा और सनकी किरदार निभाया है। होमी उस विशेष स्थान और शैली से अच्छी तरह वाकिफ हैं और उनके खास दृष्टिकोण ने मुझे इस फिल्म में काम करने के लिए आकर्षित किया। इसके अलावा ऐसे प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए रोमांचक था। हम साथ साथ हैं के बाद मैं इसे अपनी महत्वपूर्ण सामूहिक फिल्म मानती हूं।

खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान ने शुरू की 'नादानियां'

खुशी कपूर ने जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वहीं अब वे निर्देशक शाउना गौतम की आगामी फिल्म में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में खुशी कपूर के साथ सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान को मुख्य भूमिका के लिए चुना गया है। वहीं, खबर है कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

दरअसल, सोशल मीडिया पर शूटिंग की एक तस्वीर लीक हो गई है, जो तुरंत ही वायरल हो गई। फिल्म की शूटिंग पुणे में चल रही है। एक सोशल मीडिया यूजर ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा करते हुए बताया कि खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान और ओरी फिल्म की शूटिंग के लिए पुणे के एक निजी विश्वविद्यालय में मौजूद थे। सामने आई तस्वीर में खुशी कपूर गुलाबी रंग की ड्रेस पहने नजर आई, जिसके साथ उन्होंने डेनिम जैकेट पहना था। इस लुक में वे बेहद खूबसूरत नजर आ रही थीं। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले नादानियां नाम की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म का निर्माण हो रहा है, जिसमें खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान मुख्य भूमिका में हैं। हालांकि, अभी तक इस पर आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। शाउना गौतम के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर करण जौहर भी काफी उत्साहित हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल से इस फिल्म के मुहूर्त शॉट को भी साझा किया था। शाउना इससे पहले रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में भी सहायक निर्देशक का काम कर चुकी हैं।

अजब-गजब | यहां के फूलों को छू लिया तो जान जाना तय

ये है दुनिया का सबसे जहरीला गार्डन

हम बात कर रहे इंग्लैंड के नॉर्थम्बरलैंड में स्थित 'अलन्विक पॉइजन गार्डन 'की। इस बगीचे में 100 बेहद जहरीले पौधे लगाए गए हैं। ये इतने खतरनाक हैं कि अगर कोई गलती से भी इन्हें छू ले तो जान जा सकती है। लेकिन फिर भी हर साल लाखों लोग यहां आते हैं।

गार्डन के बाहर काले रंग का लोहे का गेट है, जिस पर साफ-साफ लिखा हुआ है कि ये पौधे आपकी जान भी ले सकते हैं। इसलिए इन्हें कतई न छुएं। ध्यान रखें कि यह चेतावनी कोई मजाक नहीं है। इन काली लोहे की सलाखों के पीछे दुनिया का सबसे घातक उद्यान है।

पॉइज़न गार्डन को 2005 में बनाया गया। मकसद था इन पौधों के बारे में लोगों को जानकारी देना, ताकि लोग इनसे दूर रहें। यही वजह है कि जब भी कोई पर्यटक यहां घूमने के लिए आता है तो उसे पहले सुरक्षा ब्रीफिंग दी जाती है। बताया जाता है कि गार्डन में किसी भी चीज को न छुएं। चखने या सूंघने की कोशिश न करें। इसके बावजूद कई लोग यहां चलते-चलते बेहोश जाते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, कुछ पौधों से परागकण बाहर आते हैं, जो उड़कर लोगों की सांसों के जरिये अंदर चले जाते हैं और उन्हें बीमार कर देते हैं। कुछ पौधों से जहरीला धुआं भी नि?कलता है, जो काफी घातक होता है।

यहां उगाए जाने वाले खतरनाक पौधों में से एक मॉन्कशूड या वुल्फ्स बैन है, जिनसे एकोनिटाइन नामक जहरीला पदार्थ निकलता है। यह एक न्यूरोटॉक्सिन और कार्डियो टॉक्सिन होता है, जो आपके तंत्रिका तंत्र को पंगु बना देता है। यहां सबसे जहरीला पौधा रिसिन है, जो राइसिन नाम का टॉक्सिन निकालता है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इसे दुनिया का सबसे जहरीला पौधा मानता है।

आप जानकर हैरान होंगे कि इतने जहरीले पौधे होने के बावजूद यहां सालभर में 8 लाख से ज्यादा टूरिस्ट आते हैं। लगभग 14 एकड़ क्षेत्र में फैले इस बागीचे में लगभग 7000 पौधे हैं, इनमें 100 से ज्यादा बेहद जहरीले पौधे हैं। इन फूलों को सूंघना तथा तोड़ना मना है। आप इनके पत्ते को गलती से भी चबा गए तो तंत्रिका तंत्र पर सीधा हमला करते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, इस गार्डन में लैबर्नम नाम का एक पौधा है। इसके पीले फूल आपको मोहित कर सकते हैं। लेकिन इसमें साइटिसिन नामक जहर होता है। पेड़ इतना जहरीला है कि अगर इसकी एक शाखा फर्श पर गिर जाए और कई महीनों तक वहीं पड़ी रहे, बाद में कोई कुत्ता खा ले, तो उसे बचाना मुश्किल होगा।

कैसे हुई ब्रज में लट्ठमार होली की शुरुआत कहां-कहां निभाई जाती हैं यह परंपराएं

भारत के विभिन्न हिस्सों में होली का त्योहार अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। होली के दिन पूरा देश रंगों से सराबोर रहता है। वहीं देश के कुछ हिस्सों ऐसे भी हैं, जहां होली के दिन अलग-अलग तरह की परंपराएं निभाई जाती हैं। ब्रज की लट्ठमार होली तो पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। इसके अलावा यहां लड्डूमार होली भी खेली जाती है, जबकि राजस्थान में कोड़ामार होली की परंपरा भी काफी पुरानी है। इन परंपराओं के तहत महिलाएं ही पुरुषों को पीटती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं इनकी शुरुआत कब और कैसे हुई। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं। इस साल बरसाना में 18 मार्च और नंदगांव में 19 मार्च को हुरियारनें हुरियारों मनाई जाएगी। यानी इस दिन महिलाएं पुरुषों को लट्ठ से पीटकर होली का त्योहार मनाएंगी। इस दौरान पुरुष भी ढाल से अपना बचाव करते नजर आएंगे। इस दिन चारों तरफ रंग और गुलाल की बौछार होती है। ब्रज की लट्ठमार होली देखने के लिए दुनियाभर से लोग यहां आते हैं। इसे राधा-कृष्ण के अद्वितीय प्रेम का प्रतीक भी माना जाता है। किवदंतियों के अनुसार, लट्ठमार होली की शुरुआत श्रीकृष्ण ने राधा और गोपियों के साथ की थी, जिसके बाद से आज तक नंदगांव के पुरुष और बरसाना की महिलाएं इस होली में शामिल होने के लिए जुट जाती हैं। लट्ठमार होली के ठीक एक दिन पहले लाडली जी के मंदिर में बरसाना की लड्डूमार होली होती है। इसमें पहले लाडली जी के महल से नंदगांव में फाग का न्योता आता है, फिर राधा रानी के महल में इसे स्वीकार करने का संदेश दिया जाता है। स्थानीय लोगों की माने तो जब नंदगांव के पुरोहित संदेश लेकर लाडली जी के महल पहुंचते हैं, तो उन्हें खाने के लिए बहुत सारे लड्डू मिलते हैं, जिसे वो खुशी में लुटाने लगते हैं। इसी को लड्डूमार होली कहा जाता है एक अन्य कहानी के मुताबिक, पुरोहितों को खाने के लिए लड्डू देते समय गोपियों ने उनको गुलाल भी लगा दिया था। इस दौरान पुरोहितों के पास गुलाल नहीं था। ऐसे में उन्होंने लड्डू फेंकने शुरू कर दिए और तभी से लड्डूमार होली की परंपरा शुरू हो गई। राजस्थान में भी होली एक अलग अंदाज में मनाई जाने की परंपरा है। यहां भी महिलाओं द्वारा पुरुषों को पीटने का रिवाज है, लेकिन इसमें केवल भाभी-देवर ही हिस्सा लेते हैं। इस दिन महिलाएं पुरुषों को पीटने के लिए कोड़े का इस्तेमाल करती हैं। इसलिए इसे कोड़ामार होली नाम दिया गया है।

जनता के मुद्दों को उजागर करने के लिए सड़क पर उतरा : राहुल

» बीजेपी सरकार पर तीखा हमला- ईवीएम, ईडी, सीबीआई और आईटी के बिना चुनाव नहीं जीत पाएंगे मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और समाज में नफरत को उजागर करने के लिए उन्हें अपनी भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा। अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के बाद मुंबई के शिवाजी पार्क में इंडिया गठबंधन की रैली में गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ईवीएम, ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग के बिना लोकसभा चुनाव नहीं जीत पाएंगे। गांधी ने कहा, मोदी एक मुखौटा हैं, जो शक्ति के लिए काम करते हैं। वह हल्का आदमी हैं, जिनके पास 56 इंच का सीना नहीं है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी का भ्रष्टाचार पर एकाधिकार है।

उन्होंने सवाल किया, क्या आपको लगता है कि शिवसेना और राकांपा के लोग अलग होकर सत्तारूढ़ गठबंधन में ऐसे ही शामिल हो गए। वर्ष 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के विधायकों ने बगावत कर दी थी, जिससे पार्टी में विभाजन हो गया। बाद में शिंदे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन कर मुख्यमंत्री बने। वहीं, अजित पवार की बगावत के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में फूट पड़ गई। गांधी ने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र के एक नेता ने उनकी मां सोनिया गांधी के सामने रोते हुए कहा कि उन्हें शर्म आती है कि वह इस ताकत से और नहीं लड़ सकते और जेल नहीं जाना चाहते। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मोदी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बिना चुनाव नहीं जीत सकते। गांधी ने कहा, हमने निर्वाचन आयोग से वीवीपीएटी (वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल) की भी गिनती करने के लिए कहा, लेकिन हमारी मांग स्वीकार नहीं की गई। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के कई घटक दलों के नेताओं ने रैली को संबोधित किया।

घोषणा पत्र को मंजूरी देने के लिए 19 मार्च को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक

कांग्रेस कार्य समिति 19 मार्च को होने वाली अपनी बैठक में लोकसभा चुनावके लिए पार्टी के घोषणापत्र पर चर्चा करेगी और इसे अंतिम रूप देगी। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की भी 19 से 20 मार्च को बैठक होने की संभावना है, जिसमें 19 अप्रैल से शुरू होने वाले सात चरण के लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के शेष उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया जाएगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी की शीर्ष निर्णायक इकाई सीडब्ल्यूसी 19 मार्च को बैठक करेगी और मसौदा घोषणापत्र को अपनी मंजूरी देगी जिसमें न्याय के लिए पांच 'गारंटी दी गई हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी पांच न्याय - भागीदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्याय- के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी।

ये कांग्रेस की गारंटी, किसी एक व्यक्ति की नहीं : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ये गारंटी कांग्रेस पार्टी की हैं, किसी एक व्यक्ति की नहीं। सूत्रों ने कहा कि सीईसी पार्टी उम्मीदवारों पर चर्चा कर उसे भी अंतिम रूप देगी। कांग्रेस ने अब तक दो अलग-अलग सूचियों में कुल 82 उम्मीदवारों की घोषणा की है।

चुनावी बॉण्ड भाजपा का 'सफेदपोश भ्रष्टाचार' : स्टालिन

» दो साल में मोदी ने दो काम किए विदेश यात्राएं और दुष्प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने चुनावी बॉण्ड को सत्तारूढ़ भाजपा का ''सफेदपोश भ्रष्टाचार बताया और कहा कि विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया केंद्र में एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय और समावेशी सरकार बनाएगा। मुंबई के शिवाजी पार्क में हुई 'इंडिया गठबंधन की रैली में स्टालिन पहले वक्ता थे।

उन्होंने दावा किया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दस वर्षों में केवल दो काम किए हैं – विदेश यात्राएं और दुष्प्रचार। हमें इसे रोकना होगा। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के प्रमुख ने कहा कि चूंकि विपक्ष ने अपने गठबंधन का नाम 'इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस) रखा है, इसलिए भाजपा ने 'इंडिया शब्द का इस्तेमाल बंद कर दिया है। स्टालिन ने कहा, यह डर है, प्रधानमंत्री मोदी ने हमें भ्रष्ट कहकर बदनाम करना शुरू कर दिया है, लेकिन चुनावी बॉण्ड ने साबित कर दिया कि भारतीय जनता पार्टी भ्रष्ट है। यह भाजपा का सफेदपोश भ्रष्टाचार है।

लालू की बेटी रोहिणी सारण लोस सीट से लड़ेंगी चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य अपना चुनावी डेब्यू करने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह सारण लोकसभा क्षेत्र से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगी, सूत्रों ने कहा। पार्टी नेताओं ने सोशल मीडिया चैनलों के जरिए इस घटनाक्रम के संकेत भी दिए हैं। सारण सीट से लालू परिवार के सदस्य लंबे समय से चुनाव लड़ते रहे हैं। फिलहाल लालू के तीन बच्चे सक्रिय रूप से राजनीति में हैं। इनमें उनकी बड़ी बेटी मीसा भारती के साथ-साथ उनके दोनों बेटे तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव भी शामिल हैं, जो पहले भी मंत्री रह चुके हैं। यह उल्लेख करना उचित है कि रोहिणी ही वह व्यक्ति थीं, जिन्होंने अपने पिता को उदारतापूर्वक अपनी एक किडनी दान की थी।

केंद्र सबूत दे पश्चिम बंगाल का पैसा नहीं रोका गया : अभिषेक बनर्जी

» टीएमसी ने भाजपा को मनरेगा आवास योजना वित्तपोषण पर खुली बहस की चुनौती दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और प्रधानमंत्री आवास योजना के वित्तपोषण के मुद्दों पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के साथ खुली बहस करने की चुनौती दी।

टीएमसी ने मांग की कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी यह साबित करने के लिए सबूत दे कि पिछले दो वर्षों में राज्य की धनराशि को नहीं रोका गया है। टीएमसी की वरिष्ठ नेता एवं पश्चिम बंगाल की मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि पिछले दो वर्षों में आवास परियोजनाओं या मनरेगा के लिए किसी प्रकार का कोई धन आवंटित नहीं किया गया, जिससे 59 लाख नौकरी कार्ड धारक गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। वहीं पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि आवास योजना के तहत राज्य को धनराशि दी गई है।

भारत के लिए भाजपा से बड़ा कोई खतरा नहीं

उन्होंने कहा कि भारत के लिए भाजपा से बड़ा कोई खतरा नहीं है। स्टालिन ने कहा, ''हमें भाजपा को हराना है। कन्याकुमारी से शुरू हुई यात्रा दिल्ली में सत्ता हासिल करके समाप्त होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद 'इंडिया गठबंधन केंद्र में एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय और समावेशी सरकार बनाएगा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि देश को बचाने के लिए 'इंडिया गठबंधन के साथी एकजुट हो गए हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हम सभी यहां एक साथ हैं क्योंकि हमें जेल जाने का डर नहीं है. जीतने के लिए हमें लड़ना होगा। भारद्वाज ने कहा कि चुनावी बॉन्ड ने भाजपा को बेनकाब कर दिया है और लोगों को इसके बारे में जागरूक किया जाना चाहिए।

आरसीबी की लड़कियां बनीं चैंपियन

» 16 साल बाद जीता खिताब, फाइनल में दिल्ली को रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन का फाइनल मैच 17 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुआ। यह मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। दिल्ली की कप्तान मेग लैनिंग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया, लेकिन उनकी टीम इस मौके को भुना नहीं पाई और केवल 113 रन के स्कोर पर ऑल-आउट हो गई।

टॉस जीतने के बाद दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग ओपनिंग करने मैदान में उतरीं और उनका साथ देने शफाली वर्मा क्रीज पर मौजूद रहीं। दोनों ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई और 7 ओवर तक टीम ने बिना विकेट गंवाए 64 रन बना लिए थे, तभी सातवें ओवर में सोफी मौलिन्यू ने 4 गेंद के अंदर शफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिगेज और एलिस कैप्सी को आउट किया। जहां टीम का स्कोर 0 विकेट पर 64 रन से 3 विकेट पर 64 रन हो चुका था। इन झटकों से दिल्ली की टीम उबर नहीं पाई और बाकी कसर श्रेयंका पाटिल ने पूरी कर दी, जिन्होंने 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट चटकाए. दिल्ली की ओर से लैनिंग और शफाली के अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चल पाया।

महिला आरसीबी टीम को पहली बार ट्रॉफी

बैंगलोर की शुरुआत शानदार रही। इस लो-स्कोरिंग मैच में पहली विकेट के लिए स्मृति मंधाना और सोफी डेविन के बीच 49 रन की अहम साझेदारी हुई। डेविन ने 5 चौके और 1 छक्का लगाते हुए 27 गेंद में 32 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान मंधाना ने 39 गेंद में 31 रन की धीमी लेकिन अहम पारी खेली। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एलिस पेरी ने बहुत शानदार बल्लेबाजी की और फाइनल में भी उनके बल्ले से खूब रन निकले। उन्होंने 37 गेंद में 35 रन की नाबाद पारी खेली। रिचा घोष ने विनिंग शॉट लगाते हुए आरसीबी को पहली बार चैंपियन बना दिया है।

वाह रे यूपी पुलिस, सीएम का निर्देश ठेंगे पर रखा

शिक्षक की गोलियों से भून कर हत्या

» मुज्जफरनगर में मामूली कहासुनी पर पुलिसकर्मी ने चलाई गोली, गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुज्जफरनगर। एक तरफ यूपी के मुख्यमंत्री योगी अपनी पुलिस को निर्देश देते हैं वे आम जनता के साथ विनम्र व्यवहार करें। पर उनके इस आग्रह को उत्तर प्रदेश पुलिस ठेंगे पर रख रही है। दरअसल, उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां यूपी बोर्ड हाई स्कूल परीक्षा की कॉपी लेकर मुजफ्फरनगर पहुंची टीम में शामिल एक पुलिस कांस्टेबल ने मामूली कहासुनी के बाद एक अध्यापक को गोलियों से भून दिया।

पुलिस कर रही है पूरी जांच

एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि 17/18 मार्च 2024 की रात को सिविल लाइन्स को सूचना मिली की एसडी इंटर कॉलेज के सामने एक धर्मेंद्र नाम के युवक को गोली लगी है. इस सूचना पर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। बाद में घायल शख्स को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों की टीम ने उसे मृत घोषित कर दिया. हमारी टीम फिलहाल इस पूरे मामले की जांच कर रही है। फिलहाल आरोपी पुलिस कांस्टेबल को हिरासत में लिया गया है।

घटना के बाद पीड़ित अध्यापक को पास के अस्पातल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों की टीम ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने आरोपी शख्स को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही मृतक के शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भी भेज दिया गया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान चंद्रप्रकाश जबकि मृतक शिक्षक की पहचान धर्मेंद्र कुमार के रूप में की है। इसी दौरान टीम में शामिल पुलिस कांस्टेबल चंद्रप्रकाश द्वारा अध्यापक धर्मेंद्र कुमार से तंबाकू मांगा। जिस पर तंबाकू न देने की वजह से कांस्टेबल चंद्रप्रकाश ने अपनी बंदूक से अध्यापक धर्मेंद्र पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस घटना में धर्मेंद्र कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए. और बाद में उनकी मौत हो गई। पुलिस की जांच में पता चला है कि आरोपी पुलिस कांस्टेबल घटना के समय नशे में था।

नशे में था आरोपी

यूपी बोर्ड हाई स्कूल की परीक्षा की कॉपी लेकर आया था अध्यापक

अभी तक मिली सूचना के अनुसा 14 मार्च को वाराणसी से एक टीम यूपी बोर्ड हाई स्कूल परीक्षा की कॉपी लेकर अन्य जनपदों में स्थित कॉलेज में जमा करने के लिए निकली थी। इस टीम में अध्यापक धर्मेंद्र कुमार, संतोष कुमार और पुलिस गार्ड में उप निरीक्षक नागेंद्र चौहान मुख्य आरक्षी चंद्र प्रकाश के साथ दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जितेंद्र मौर्य व कृष्ण प्रताप शामिल थे। यह टीम प्रयागराज ,शाहजहांपुर ,पीलीभीत, मुरादाबाद और बिजनौर में कॉपियां पहुंचाकर कर रविवार की देर रात मुजफ्फरनगर जनपद के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित एसडी इंटर कॉलेज पर पहुंची थी, लेकिन कॉलेज का गेट बंद होने के चलते यह टीम रात के समय गाड़ी में ही आराम कर रही थी।

शीर्ष अदालत से आरोपी मिशेल को झटका

» अगस्ता वेस्टलैंड मामले में याचिका पर सुनवाई से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अगस्ता वेस्टलैंड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई की। दरअसल, यह सुनवाई इस मामले के आरोपी ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल की उस याचिका पर की गई, जिसके तहत जेल से तत्काल रिहाई की बात कही गई थी। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने सुनवाई के दौरान कहा कि आप जनहित याचिका दाखिल नहीं कर सकते। बता दें कि आरोपी मिशेल ने जीने के अधिकार और स्वतंत्रता के अधिकार को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

इस याचिका में मिशेल ने कहा मैं पहले ही 5 साल 3 महीने जेल में बिता चुका हूं ,जबकि दोषी पाए जाने पर अधिकतम सजा सिर्फ 5 साल है, इस मामले में जांच अभी भी खत्म नहीं हुई है, ना ही इस मामले में अभी ट्रायल शुरू हुआ है। ऐसे में लगातार न्यायिक हिरासत अवैध और यह जीवन जीने के अधिकार का उल्लंघन भी है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अब अगली सुनवाई सोमवार को करेगा। बता दें कि आरोपी मिशेल ने पिछले महीने भी सुप्रीम कोर्ट में जमानत के लिए याचिका दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉण्ड पर एसबीआई को फिर लगाई फटकार

» कहा- सब कुछ बताना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावी बॉन्ड पर हुई ताजा सुनवाई में आज फिर सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को फटकार लगाई है। कोर्ट ने सुनवाई में कहा कि उसने एसबीआई से चुनावी बॉन्ड से संबंधित सभी जानकारी का खुलासा करने को कहा था और जिसमें चुनावी बॉन्ड नंबर भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि वह एसबीआई से चुनावी बॉन्ड नंबरों का खुलासा करने के लिए कहेगा। कोर्ट ने एसबीआई चेयरमैन को (21) गुरुवार शाम 5 बजे तक एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें बताना होगा कि एसबीआई ने सारी जानकारी का खुलासा किया है।

सुनवाई के दौरान एसबीआई ने कहा कि वह अपने पास मौजूद हर जानकारी शीर्ष कोर्ट को देगा और बैंक ने यह भी कहा कि उसने अब तक अपने पास मौजूद किसी भी जानकारी को छिपाकर नहीं रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने पिछली सुनवाई के दौरान भी कहा था कि आपको चुनावी बॉन्ड पर यूनिक नंबर भी बताना होगा, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। कोर्ट ने कहा कि बैंक को केवल हमाने आदेश पर ही निर्भर नहीं रहना चाहिए। कोर्ट ने इसी के साथ कहा कि चुनाव आयोग एसबीआई से जानकारी प्राप्त होने पर तुरंत अपनी वेबसाइट पर विवरण अपलोड करेगा।

सीएम स्टालिन व गवर्नर रवि में तकरार

» राज्यपाल ने राज्य सरकार की सिफारिश मानने से किया इनकार, मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में राज्य सरकार और राज्यपाल फिर आमने-सामने आ गए हैं। दरअसल राज्यपाल आरएन रवि ने सीएम स्टालिन की सिफारिश के बावजूद विधायक पद पर बहाल हुए के पोनमुडी को मंत्री पद की शपथ दिलाने से इनकार कर दिया है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में के पोनमुडी को मंत्री पद से हाथ धोना पड़ा था और उनकी विधायकी भी चली गई थी। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर पहुंच गया है।

अब सुप्रीम कोर्ट द्वारा पोनमुडी की सजा पर रोक लगाने के बाद राज्यपाल ने उन्हें मंत्री पद की शपथ दिलाने से इनकार कर दिया है। के पोनमुडी की विधायकी बहाल होने के बाद सीएम स्टालिन ने राज्यपाल आरएन रवि को चिट्ठी लिखी, जिसमें पोनमुडी को फिर से मंत्रीपद की शपथ दिलाने की सिफारिश की गई। इस चिट्ठी के जवाब में राज्यपाल ने राज्य सरकार को चिट्ठी भेजी, जिसमें उन्होंने लिखा कि वह के पोनमुडी को मंत्री पद की शपथ नहीं दिला सकते क्योंकि पोनमुडी की दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगाई है। वहीं तमिलनाडु सरकार ने एसी में याचिका दायर की।

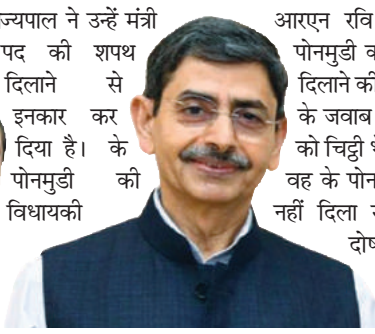

तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने दिया इस्तीफा

तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने सोमवार को तेलंगाना के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया और अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेज दिया। तमिलिसाई सौंदर्यराजन के तमिलनाडु से लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावना है। राजभवन ने एक बयान में कहा कि तेलंगाना की राज्यपाल और पुडुचेरी की उपराज्यपाल डॉ. श्रीमती तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा भारत के राष्ट्रपति को सौंप दिया गया है। तमिलिसाई सौंदर्यराजन का इस्तीफा उस दिन आया है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना के जगतियाल में एक चुनावी रैली और तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक रोड शो करने वाले हैं।

हादसे का सोमवार : दुर्घटनाओं में 14 की मौत

» बिहार में सड़क हादसा बंगाल में बिल्डिंग गिरी, राजस्थान में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोमवार की सुबह हादसों की सुबह बन गई। बिहार, महाराष्ट्र, बंगाल से लेकर राजस्थान तक अलग-अलग तरह की घटनाएं घटीं जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई जबकि कई घायल हुए। पीड़ितों का उपचार जारी है। घटनाएं क्यों घटी इसपर पुलिस की जांच भी हो रही है।

हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में शामलेच गांव के पास सोमवार को सुबह भूस्खलन होने से राष्ट्रीय राजमार्ग पांच अवरुद्ध हो गया।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोलन बाईपास के नजदीक शिमला-कालका रोड पर सुबह करीब साढ़े सात बजे भूस्खलन हुआ। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन मार्ग पर यातायात बाधित हो गया है। सड़क के दोनों ओर वाहन फंस गए। वहीं, स्थानीय पुलिस ने मोटर चालकों को वापस मुड़ने और पुराने बड़ोग मार्ग पर जाने के लिए कहा है। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन स्थल पर खुदाई करने वाले कर्मी पहुंच गए हैं और सफाई तथा सड़क को बहाल करने का काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही सड़क से मलबा हटा दिया जाएगा। वहीं दिल्ली-अजमेर राजमार्ग पर सोमवार को सुबह एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं।

कोलकाता में पांच मंजिला इमारत ध्वस्त, दो की मौत

ममता बनर्जी ने सोमवार को कोलकाता के गार्डन रीच इलाके का दौरा किया जहां एक निर्माणाधीन इमारत ढहने से दो लोगों की मौत हो गयी और कम से कम सात लोग घायल हुए हैं। ममता ने कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल को इस पांच मंजिला इमारत के अवैध निर्माण में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है। यह इमारत आधी रात के करीब ढही। उन्होंने उस अस्पताल का भी दौरा किया जहां घायलों का उपचार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने हालात का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से कहा कि यह बहुत ही भीड़भाड़ वाला इलाका है। इस इमारत को प्राधिकारियों की कोई स्वीकृति नहीं मिली थी और यह अवैध थी।

बिहार में जीप-ट्रैक्टर की टक्कर में 7 की मौत

बिहार के खगड़िया जिले में सोमवार को सुबह एक ट्रैक्टर और जीप की टक्कर में तीन बच्चों सहित कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए, पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना आज सुबह करीब साढ़े छह बजे पसराहा इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास हुई। दोनों वाहन आमने-सामने से आ रहे थे और आपस में टकरा गए। उन्होंने कहा कि जीप में सवार लोग एक विवाह समारोह से लौट रहे थे. वहीं दूसरी ओर, ट्रैक्टर क्षमता से अधिक भरा हुआ था. जो लोग जीप में थे उनकी दुर्घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।